एम.पी.ए.-036

आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.डी.आर.आर.एम.)

सत्रीय कार्य

जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्र में
नामांकित छात्रों के लिए

कोर्स कोडः एम.पी.ए. 036
आपदा प्रबंधन में भू–सूचना विज्ञान

सामाजिक विज्ञान विधापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

प्रिय विधार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम मार्गदर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः i) सत्रीय कार्य के माध्यम से सतत् मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परिणाम में, पाठ्यक्रम केसत्रीय कार्य का 30 प्रतिशत भारांक होता है, जबकि 70 प्रतिशत भारांक सत्रांत परीक्षा के लिए दिया जाता है।

आपको दो क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए एक शिक्षक अंकित सत्रीय कार्य (टीएमए) करना होगा। यह पाठ्यक्रम,**"आपदा प्रबंधन में भू–सूचना विज्ञान" (एम.पी.ए. 036)**, चार क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस सत्रीय कार्य में एक टीएमए है, जिसके कुल अंक 100 हैं और इसका 30 प्रतिशत भारांक होता है।

सत्रीय कार्य का प्रयास करने से पहले कृपया कार्यक्रम मार्गदर्शिका में दी गई निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह आवश्यक है कि आप टीएमए में पूछे गए सभी प्रश्नों का प्रयास करें और उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर एक निश्चित प्रश्न के लिए निर्धारित शब्द सीमा के भीतर होने चाहिए। ध्यान रखें किसत्रीय कार्य प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन क्षमता में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेगा।

जैसा कि कार्यक्रम मार्गदर्शिका में बताया गया है, आपको सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के लिए निर्धारित समय के भीतर सभी सत्रीय कार्य जमा करने होंगे।

सत्रीय कार्य (असाइनमेंट) जमा करने की प्रक्रियाः

प्रवेश सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	जमा करने का स्थान
जुलाई 2025 सत्र के नामांकित विधार्थी	31 मार्च 2026	विधार्थी के अध्ययन केंद्र के समन्वयकके पास
जनवरी 2026 सत्र केनामांकित विधार्थी	30 सितंबर 2026	

आपको जमा किए गएसत्रीय कार्य की रसीद अध्ययन केंद्र से प्राप्त करनी होगी और इसे सुरक्षित रखना चाहिए। यदि संभव हो, तोसत्रीय कार्य की एक फोटो कॉपी अपने पास रखें।

अध्ययन केंद्र कोसत्रीय कार्य का मूल्यांकन करने के बाद आपको सत्रीय कार्यवापस करना होगा। कृपया इस पर जोर दें। अध्ययन केंद्र को अंकों को इग्नू, नई दिल्ली के छात्र मूल्यांकन प्रभाग में भेजना होता है।

हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार दें। आपको निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगाः

1) **योजनाः**सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़ें, उन इकाइयों को देखें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के बारे में कुछ बिंदु बनाएं और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित करें।

2) **संगठनः** उत्तर की प्राथमिक रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनात्मक और विश्लेषणात्मक रहें। अपनी भूमिका और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें कि आपका उत्तरः

i) तार्किक और संगत हो;

ii) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हो, और

iii) सही ढंग से लिखा गया हो, जिसमें आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान हो।

3) **प्रस्तुतिः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हों, तो अंतिम संस्करण को प्रस्तुत करने के लिए साफ–सुथरे ढंग से लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित करें। यह सुनिश्चित करें कि उत्तर निर्धारित शब्द सीमा के भीतर हो।

आपको शुभकामनाएं!

कार्यक्रम समन्वयक
लोक प्रशासन संकाय
सामाजिक विज्ञान विधापीठ, इग्नू, नई दिल्ली

एम.पी.ए.–036: आपदा प्रबंधन में भू–सूचना विज्ञान
(टीएमए)

कोर्स कोड : एमपीए–036
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टीएमए/2025–26
अंक : 100

यह सत्रीय कार्य भाग–I और भाग–II में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पांच प्रश्न हैं। आपको सभी प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक हैं।

भाग– I

1. आपदा प्रबंधन चक्र की विभिन्न अवस्थाएं कौन–कौन सी हैं? 10
2. रिमोट सेंसिंग प्रक्रिया पर चर्चा कीजिए। 10
3. वेक्टर डाटा के प्रमुख स्रोतों का वर्णन कीजिए। 10
4. डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग में शामिल प्रमुख चरणों को रेखांकित कीजिए। 10
5. "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में प्रगति, नए रुझानों और आपातकालीन अनुप्रयोगों द्वारा चिह्नित है, जो आपदा प्रबंधन में योगदान देते हैं।" विवेचना कीजिए। 10

भाग– II

6. वेब मैपिंग के इतिहास पर एक टिप्पणी लिखिए। 10
7. भू–उपयोग भू–आवरण वर्गीकरण प्रणाली की व्याख्या कीजिए। 10
8. सिंथेटिक रसायनों का पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव स्पष्ट कीजिए। 10
9. आपदा प्रबंधन में भू–सूचना विज्ञान (जिओइनफॉर्मेटिक्स) की भूमिका पर चर्चा कीजिए। 10
10. पुनर्निर्माण और पुनरूत्थान के लिए आंकड़ों की आवश्यकताओं का वर्णन कीजिए। 10